चीनी निर्यात 85 लाख टन पर पहुंचने की उम्मीद, 72 लाख टन का हो चुका सौदा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: वैश्विक बाजार में बढ़ती मांग को देखते हुए चालू मार्केटिंग वर्ष में चीनी का निर्यात 85 लाख टन के रिकार्ड पर पहुंच सकता है। अब तक 72 लाख टन का निर्यात सौदा हो चुका है। घरेलू बाजार में भी दाम तेज रहने की संभावना है। पेराई सीजन अभी तक जारी है। मार्च के आखिर तक देशभर में कुल 366 मिलों में पेराई हो रही थी। हालांकि गरमी बढ़ने और गन्ने की अनुपलब्धता से कुल 152 मिलों में पेराई बंद हो चुकी है। पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के चलते एथनाल उत्पादन में भी तेजी का रुख है। अभी तक तेल कंपनियों को कुल 131.69 करोड़ लीटर एथनाल की आपूर्ति की जा चुकी है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के जारी आंकड़ों के

वैश्विक बाजार में मांग बढ़ी, एथनाल उत्पादन में भी प्रगति, 131.69 करोड़ लीटर की आपूर्ति पूरी

मुताबिक चालू मार्केटिंग वर्ष 2021-22 में मार्च अंत तक चीनी का कुल उत्पादन 3.10 लाख टन हो चुका है। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश व कर्नाटक चीनी उत्पादन के शीर्ष पर बने हुए हैं। महाराष्ट्र में अब तक कुल 1.19 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हो चुका है। पिछले वर्ष की इसी अवधि तक कुल एक करोड़ टन के आसपास हुआ था। उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन 87. 50 लाख टन हुआ है। पिछले वर्ष इसी अवधि तक कुल 93.71 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। तीसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य कर्नाटक में उत्पादन मार्च तक बढ़कर 57.65 लाख टन हो गया जो पिछले वर्ष समान अवधि में 42.38 लाख टन था। चीनी उद्योग के लिए एथनाल उत्पादन सबसे फायदेमंद साबित हो रहा है। एथनाल उत्पादक मिलों ने 27 मार्च तक 131.69 करोड़ लीटर एथनाल की आपूर्ति पूरी कर दी है। राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल में एथनाल के मिश्रण का अनुपात 9.60 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस्मा के अनुसार चीनी वर्ष 2021-22 के दौरान कुल 3.33 करोड़ टन चीनी उत्पादन का अनुमान है।

घरेलू खपत व निर्यात मांग को देखते हुए जिंस बाजार में चीनी के मूल्य में तेजी के बने रहने की संभावना है। इससे लंबे समय तक लागत से कम मूल्य पर चीनी बेचने वाली मिलों को राहत मिल सकती है।

ट्विटर के सबसे शेयरधारक बने

सैन फ्रांसिस्को, एपी: दुनिया अमीर शख्स और इलेवि निर्माता कंपनी टेस्ला के सीइ मस्क ने सोशल मीडिया ट्विटर की 9.2 प्रतिशत खरीद ली है। उन्होंने 7.: शेयर खरीदे हैं और साथ ही में सबसे बड़े शेयरधारक ब यह ट्विटर के संस्थापक की हिस्सेदारी के चार गुना हैं। इस खबर के सामने आ ट्विटर के शेयरों में भा देखने को मिला।

सोमवार को कारोबार के कुछ देर बाद ही कंपनी 22 प्रतिशत तक चढ़ गए। ट्विटर पर आठ करोड़ और वह इस प्लेटफार्म का रहते हैं। मार्च में उन्होंने को लेकर ट्विटर को कटघ करते हुए कहा था कि वह को कमजोर कर रहा है।